पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन

विलेज प्रोफाइल

डोजा

गाँव - डोजा

पंचायत - डोजा

तहसील- दोवड़ा, जिला - डूंगरपुर, राजस्थान

पीस

डोजा गाँव का परिचय

डोजा गाँव डोजा ग्राम पंचायत का राजस्व गाँव है। जो कि जिला कार्यालय डूंगरपुर से 16 किलोमीटर दूर पूर्व दिशा में बसा हुआ है। डोजा पंचायत में तीन गाँव है - डोजा, तलैया और राजगड़ी। डोजा गाँव से सटे हुए तीन गाँव है -उत्तर में आंतरी, पूर्व में राजगडी और तलैया, दक्षिण में नरेडीया और पश्चिम में अम्बालवा । डोजा एक राजस्व गाँव है, जिसमें 5 फलें है-

1. जुना डोजा
2. होली फला
3. वाडाफला
4. भूतकबड़ा
5. रामादरा

डोजा गाँव में ही पंचायत भवन है। डोजा गाँव में शिलालेख वर्ष 2000 में हो गया था और गाँव सभा का गठन 05/06/2000 में कर दिया गया । डूंगरपुर जिला में सबसे पहला शिलालेख किया गया था । जिसके प्रमाण के रूप में आज भी गाँव के प्राथमिक स्कूल में पुराना ही शिलालेख खड़ा है और गाँव के बुजुर्ग व्यक्ति रूपा जी रोत इसके बारे में बताते है कि स्व. बी.डी. शर्मा और वागड़ मजदूर किसान संगठन के मानसिंह जी ने पेसा कानून पर एक अभियान चला कर दोवडा ब्लॉक में शिलालेख किये थे । उस वक़्त रूपाजी को गाँव सभा का अध्यक्ष बनाया गया था और वर्तमान में भी रूपा जी ही अध्यक्ष है और उनकी पुत्रवधू सीता गाँवसभा की सचिव है । डोजा गाँव में करीब 460 घर है जिनकी आबादी 1280 है । गाँव में एस. टी. और एस.सी. जाति के लोग निवास करते है । एस.टी. में सभी रोत और एस.सी. में ढोली और कनिपा उप-जाति के लोग है । गाँव में अधिकतर लोगों को पेसा कानून की जानकारी है । हर माह एक निश्चित तारीख को गाँव सभा की बैठक की जाती है । गाँव की पूरी जमीन 700 हेक्ट है जिसमें कृषि योग्य जमीन 450 हेक्ट है तथा बेनामी जमीन 150 हेक्ट है तथा चरागाह की जमीन 40 हेक्ट है । गाँव में जंगल की जमीन सिर्फ 30 बीघा है । गाँव में 2 नदियाँ है मोरन नदी और जेतरी नदी । डोजा गाँव में आज से 30 वर्ष पूर्व बड़ा जंगल था जो की अब उजाड़ हो गया है । जंगल पर वन विभाग का कब्ज़ा हो गया है । संसाधनों के नाम पर गाँव में 1 मंदिर, 5 नाले, 4 एनिकट, 1 कामडी तालाब, 1 तलावडी, 10 कुएं, 62 हैंडपंप, 1 श्मशान घाट, 1 बस स्टैंड, 1 आंगनवाड़ी, 2 विद्यालय है ।

आवागमन की स्थिति

डोजा गाँव जाने के लिए डूंगरपुर जिला मुख्यालय से डोजा मोड़ तक रोडवेज बस मिल जाती है यह NH927A है जो आगे बांसवाडा जाता है । डोजा मोड़ से ऑटो, जीप डोजा गाँव के लिए मिल जाती है, जहाँ से गाँव लगभग 3 किमी दूर है । जीप ऑटो नहीं मिलने पर लोग व्यक्तिगत साधन या पैदल ही गाँव तक जाते है । गाँव में 2 पक्की सड़कें है - 1. गाँव की सीमा पर और 2. गाँव के अंदर से । हालाँकि

गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए 3 सीसी सड़क और कच्ची सड़क है । गाँव के मुख्य सड़क से प्राइवेट बस, ऑटो, जीप तथा निजी वाहन दूसरे गाँव में जाने के लिए मिल जाते है । खरीदारी करने के लिए मुख्य बाजार डूंगरपुर 16 किमी दूर जाना पड़ता है, जहां पर सभी प्रकार की घरेलू खरीदारी के अलावा शादी-ब्याह और त्यौहारों की खरीदारी की जाती है। डूंगरपुर आने के के लिए डोजा मोड़ से बस या जीप मिल जाती है।

स्वास्थय व शिक्षा

गाँव में 2 प्राथमिक विद्यालय जिसमे 65 बच्चे है और 3 अध्यापक है । प्राथमिक स्कूल में छत की मरम्मत की आवश्यकता है क्योंकि बारिश में पानी टपकता है और फर्श भी टूट गयी है, स्कूल में खेल का मैदान तथा शौचालय की हालत जर्जर है । अध्यापको की कमी के कारण शिक्षा का स्तर निम्न है और बहुत ही कम छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर पाते है । उच्च शिक्षा के लिये गाँव से 16 किमी दूर डूंगरपुर शहर में आना पड़ता है ।

गाँव में कोई स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं है । उपस्वास्थ्य केन्द्र और सरकारी हॉस्पीटल गाँव से 10 किमी दूर आंतरी गाँव में है वहाँ चिकित्सक और दवा मिल जाती है । हॉस्पीटल जाने के लिए टेम्पो या 108 की सुविधा है। बडा हॉस्पीटल 16 किमी दूर डूंगरपुर में है। पालतू जानवरों के इलाज के लिए पशु अस्पताल 10 किमी दूर आंतरी में है।

सरकारी योजनाएँ

गाँव के 435 घरों में बिजली है। गाँव में आवास पात्रो की संख्या 400 है जिसमे से लगभग 250 इंदिरा आवास, 100 प्रधानमंत्री आवास और 50 मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थी है तथा गाँव में 60 वर्ष से ऊपर के वृद्धो की संख्या 40 है । 22 महिलाओं और 18 पुरुषों को वृद्धापेंशन मिलती है । 5 महिलाओं को विधवा पेंशन मिलती है। गाँव में कुछ परिवारों को छोड़ कर बाकी सभी घरों में उज्जवला गैस कनेक्शन मिल चुका है।

कृषि और रोजगार की स्थिति

गाँव में कृषि योग्य जमीन 450 बीघा ही है, जिस पर गेंहू, मक्का, उडद और चना की खेती की जाती है। लेकिन यह केवल चार या पांच माह खाने तक का ही हो पाता है। यहाँ के लोग रोजगार के लिए मनरेगा में काम और खेती करते है । नरेगा में गाँव की 70 प्रतिशत महिलाये जाती है क्योंकि गाँव के युवा काम के लिए दूसरे शहरों में जाते है । मनरेगा में भी पूरे 100 दिन काम नहीं मिलता है ना ही पूरी मजदूरी मिलती है । गाँव में काम नहीं मिलने पर लोग कड़िया मजदूरी करने के लिए डूंगरपुर,सागवाडा और बाँसवाड़ा जाते है और गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर जाते है, जहां वे खेतों में तथा फेक्ट्री में काम करते है। डोजा गाँव से 2 लोग अलग अलग सरकारी विभागों (पशु अस्पताल और शिक्षा विभाग) में कर्मचारी है ।

सिंचाई की स्थिति

गाँव में पानी की कमी है क्योंकि जल स्तर काफी नीचे चला गया है । हालांकि सिंचाई के लिए गाँव में पानी की सुविधा के लिए 5 नाले, 4 एनिकट, 1 कामडी तालाब, 10 कुएं है लेकिन मध्य ग्रीष्म ऋतू सभी जल स्रोतों में पानी कम हो जाता है या अधिकतर सूख जाते है, चार एनिकट में से 3 एनिकट खस्ता हाल है, जिस कारण वर्षभर पानी नहीं रुकता है ।

डोजा गाँव की विभिन्न चिन्हित समस्याओं का विवरण निम्न् प्रकार है-

प्राकृतिक संसाधनों का विघटन

गाँव में जंगल की जमीन 30 बीघा है, जहां आज से 30 साल पूर्व पहाड़ियाँ हरी-भरी थी, वहां पर अब बबूल और कटीली झाड़िया ही है । जंगल को वन विभाग ने कब्जे में ले लिया है । गाँव के लोगों ने जंगल पर सामुदायिक वन दावा की फाइल लगा राखी है । समतल जमीन पर जंगल पूरी तरह से खत्म हो गया है। उस पर लोगो ने अपने खेत बना लिए है । गाँव में बड़े पहाड़ है, इन पहाड़ो में खनन नहीं किया जाता है क्योंकि उनमे किसी भी प्रकार के खनिज के उपलब्धता की जानकारी नहीं है । पहाड़ो पर गाँव के लोगो ने अपने खेत और घर बना कर कब्ज़ा कर रखा है ।

आवागमन की समस्या

डोजा गाँव में 2 पक्की सड़कें है - 1. गाँव की सीमा पर जो डोजा बस स्टैंड से गाँव में आती है और 2. गाँव के अंदर होती हुई जूना डोजा में जाती है । गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए पक्की सड़क से निकलती हुई 3 सीसी सड़क और कच्ची सड़क है। गाँव के बस स्टैंड से प्राइवेट बस, ऑटो, जीप तथा निजी वाहन दूसरे गाँव में जाने के लिए मिल जाते है । गाँव की भीतरी पक्की सड़क नयी है । गाँव की सड़क के एक ओर पहाड़ी खाई है और सड़क भी संकरी है, सड़क के किनारे रोड़ लाइट की व्यवस्था भी नहीं है । जिस पर ऑटो, मोटर साईकिल या पैदल ही जाया जा सकता है। सीसी. सड़को पर खड्डों की वजह से अक्सर दुर्घटना की आशंका रहती है । गाँव के फलों में केवल नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है।

भूमि व जल प्रबंधन की कमी

गाँव में अधिकतर लोगों को उनकी कब्जे की जमीन के खातेदारी हक और पट्टे नहीं मिले है और जिनको मिले है उनके पास भी पूरी जमीन का पट्टा नहीं है, खातेदारी में न्यूनतम कृषि भूमि दो बीघा और अधिकतम पांच बीघा है। पूरा गाँव पहाड़ों पर बसा है, उबड़-खाबड़ खेतों को समतलीकरण करने की आवश्यकता है । गाँव में कृषि व्यवस्था पूरी तरह से बारिश पर निर्भर है असिंचित खेतों में नहरों की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण उनमें केवल बारिश की पानी से ही फसल की पैदावार हो पाती है । सिंचाई के लिए 5 नाले, 4 एनिकट, 1 कामडी तालाब, 10 कुएं है लेकिन मध्य ग्रीष्म ऋतु तक सभी जल स्रोतों

में पानी कम हो जाता है या अधिकतर सूख जाते है । गाँव में 1 ही तालाब है लेकिन गहराई कम होने और रिसाव के कारण सालभर पानी नहीं रहता है। पहाड़ो से बहते बारिश के पानी को रोकने के लिये चेकडैम बनाये गये है और 4 एनीकट है, उनमे से भी 3 एनिकटो की हालत ख़राब है, उनमे दरारे पड़ गयी है जिनमे से पानी बह कर निकल जाता है । चारों एनीकट गर्मीयों के मौसम में सूख जाते है । गाँव में भू-जल स्तर 300 फुट से नीचे है। गाँव में 2 नदियाँ है लेकिन एक नदी में ही पानी सालभर बहता है दूसरी मौसमी नदी है । जंगल की कुछ जमीन को लोगो ने कब्जे में लेकर सागवान के पेड़ लगा रखे है जिन्हें वें घर बनाने और ईधन के रूप में काम में लेते है । गाँव में 10 कुएं है, जिनमें साल के मई, जून माह तक पानी खत्म हो जाता है। गाँव में 62 हैंडपंप है। जिनमें से 35 हैंडपंप पाइप में छेद और स्प्रिंग टूट जाने के कारण ख़राब हो गये है । बाकी बचे हैंडपंपों में से भी कुछ गर्मी के मौसम में सूख जाते है। चालू हैंडपंप और बोरवेल का पानी फ्लोराइड से दूषित है । गर्मी में ना तो पीने को पानी मिल पाता है ना ही सिंचाई का पानी मिल पाता है। वर्षा के जल को संरक्षित करने के विषय की ओर हाल फिलहाल गाँव के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया है।

पशुपालन संबंधित समस्या

गाँव में गाय, बैल, भैंस व बकरी पाली जाती है। चारे की कमी के कारण पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक आहार न मिलने से गाय 1 लीटर और भैस 3 लीटर दूध देती है, इससे केवल घर के लिए ही दूध की आपूर्ति हो पति है । गाँव में चरागाह की जमीन मात्र 40 हेक्ट है। खेती की जमीन 450 हेक्ट है। जो भी चारा बारिश के माह में होता है वह केवल चार या पांच माह ही चल पाता है उसके पश्चात खरीद कर लाना पडता है। चारागाह जमीन पहाड़ी पर होने के कारण और सिंचाई के पानी की कमी के कारण पशुओं के लिए प्र्याप्त मात्रा में चारा भी नहीं हो पाता है। चारे की एक पुली या गटठर सात रूपये में खरिदते है ।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य का निम्न स्तर

गाँव में 460 घर है, लेकिन पढने वाले बच्चों के लिए केवल दो प्राथमिक स्कूल है, प्राथमिक स्कूल में छत की मरम्मत की आवश्यकता है क्योंकि बारिश में पानी टपकता है और फर्श भी टूट गयी है, स्कूल में खेल का मैदान तथा शौचालय की हालत जर्जर है । दोनों स्कूलों में मात्र तीन अध्यापक है, वे भी समय पर नहीं आते है । अध्यापको की कमी के कारण शिक्षा का स्तर निम्न है और बहुत ही कम छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर पाते है । उच्च शिक्षा के लिये गाँव से 16 किमी दूर डूंगरपुर शहर में आना पड़ता है । गाँव की 1 आंगनवाड़ी है, उसकी छत से बारिश का पानी अन्दर टपकता है और पीने के पानी की भी व्यवस्था नहीं है, जिस कारण लोग अपने बच्चों को वहां कम भेजते है । गाँव में उपस्वास्थ्य केन्द्र या सरकारी दवाखाना नहीं है इसके लिए आंतरि गाँव में 10 किमी दूर जाना पड़ता है, बडा हॉस्पीटल गाँव से 16 किमी दूर डूंगरपुर शहर में है, जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है।

कृषि एवं खाद्यान्न की स्थिति

डोजा गाँव में केवल बारिश के मौसम में ही मुख्य फसल उगा ली जाती है क्योंकि गर्मी के मौसम में पानी की कमी हो जाती है। हालाँकि वहाँ पर तालाब, कुआं, बोरवेल एनिकट है, लेकिन सभी जल-स्रोत गर्मी आते आते सूख जाते है । ग्रीष्म ऋतू में जिन खेतों में फसल उग रही है वे कुआं व बोरवेल के पानी से सिंचित है। गाँव में भू-जल स्तर 300 फुट से भी नीचे चला गया है। वर्तमान में गाँव में 62 हैंडपंप है, ज्यादातर तो खराब हो गये है और आधे से ज्यादा गर्मी में सूख जाते है । गाँव में सिंचाई के पानी की व्यवस्था के लिये करीब 10 कुऐं, 1 तालाब और 4 एनिकट है। लेकिन अधिकतर गर्मी के मौसम में सूख जाते है। *विचार करने योग्य बात यह है कि यदि वर्तमान में जमीन में पानी इतना गहराई में चला गया है और ग्रीष्म ऋतू में पानी ख़त्म हो जाता है तो कुछ सालों बाद गाँव में पानी का स्तर और भी अधिक गहराई तक चला जाएगा। इसके साथ ही वर्तमान में जो स्थिति बारिश की मात्रा और पानी को ना सहेजने की प्रवृति है वो बनी रही तो गाँव में पीने तथा कृषि के लिए पानी का बड़ा संकट उत्पन्न होने वाला है /* गाँव में गेहूँ, ग्वार, मक्का, उडद, तुहर, चने की खेती की जाती है, जो कि केवल 4 या 5 माह ही चल पाता है, खेती से होने वाला अनाज पर्याप्त नहीं होने के कारण खरीद कर लाना पड़ता है। जिसके लिये सरकारी उचित मूल्य की दूकान डोजा पंचायत में 5 किमी दूर है । राशन की दुकान पर केवल गेहूं मिलता है । गाँव में राशन की दुकान पर मिटटी का तेल देना बंद कर दिया गया है । राशन दुकान पर पॉस मशीन की भी समस्या रहती है और दूसरे गाँव के लोग भी आते है, जिसके कारण काफी लम्बी लाइन राशन लेने के लिये लग जाती है।

आजिविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

गाँव में रोजगार का मुख्य साधन मनरेगा और खेती है, अन्यथा मजदूरी एक मात्र आजीविका चलाने का साधन है । रोजगार की स्थिति भी काफी खराब है, गाँव के अधिकतर युवा गुजरात राज्य के अहमदाबाद, हिम्मतनगर, सूरत और मोडासा में मजदूरी करने के लिये जाते है। कुछ लोग पास के उदयपुर जिले में जाकर भी फेक्ट्री में काम करते है । गाँव में नरेगा पर काम मिलता है, जिसमें गाँव की महिलायें अधिक संख्या में जाती है तथा जो पुरुष यहां रह कर खेती करते है वे भी नरेगा में काम पर जाते है। वर्तमान में मनरेगा में जो मजदूरी दी जा रही है वह भी 100 रूपये से कम दी जाती है। कुछेक लोगों को काम करने के बाद मस्टरोल के रूपये नहीं मिले है। जिसके लिये जवाब मांगने पर बैंक खातों के स्थानान्तरण की बात कह कर टाल दिया जाता है।

सरकारी योजनओं से वंचित लोग

डोजा गाँव में 60 मकान अभी भी आवास योजना से वंचित है जिन्होंने काफी समय पहले से आवेदन कर रखा है । लोगो के श्रमिक कार्ड और जॉब कार्ड नहीं बने है। गाँव में आधे से अधिक परिवार उज्ज्वला गैस योजना से वंचित है

अन्य

गाँव में कोई सामुदायिक भवन नहीं है । 1 श्मशान घाट है लेकिन उसपर टीन या छाया की व्यवस्था नहीं है न ही कोई बैठक व्यवस्था है । बस स्टैंड पर शौचालय और पीने के पानी के लिए हैण्डपंप भी नहीं है । गाँव में आर. ओ. प्लांट की सुविधा नहीं है जिस कारण गाँव के निवासी फ्लोराइड युक्त पानी पीने के लिए मजबूर है ।

गाँव में उपलब्ध संसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं-

संसाधन	हालत	सम्भावना
जल नदी नाला एनिकट तालाब कुआं हैण्डपम्प बोरवेल	गाँव में 2 नदी (मोरन नदी और जेतरी नदी) बहती है । मोरन नदी में साल भर पानी बहता है लेकिन गर्मी में कम हो जाता है और जेतरी नदी मौसमी नदी है, जो बारिश के मौसम में चालू रहती है यह बारिश के मौसम के एक माह बाद ही सूख जाती है । 4 एनीकट बने हुए है जिसमे से तीन ख़राब स्थिति में है, चारों एनिकट में पानी बारिश के समय ही रहता है । गाँव में सिंचाई और मवेशीयों को पानी पीने के लिये 1 तालाब है लेकिन गर्मी समाप्त होने से पहले ही सभी में पानी सूख जाता है। ऐसी स्थिति में मवेशीयों के पीने के पानी की समस्या हो जाती है। गर्मी में बोरेवेल में भी पानी कम हो जाता है। गाँव में 10 कुएं और 62 हैंडपंप है लेकिन आधे से ज्यादा सूखे है या पानी नहीं आता है, जो चालू है उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है।	गाँववासियों के अनुसार यदि तालाब को गहरा करवा कर रिंगवाल बने तो ज्यादा समय तक पानी रह सकता है और सिचाई भी पूरी हो सकती है । पहाड़ो के तेज ढलान से बहते पानी के बहाव को चेकडैम की सहायता से धीमा किया जा सकता है जिससे मिटटी का कटाव नहीं होगा और तीनों एनीकट की मरम्मत करके सही किया जाये तो पानी पूरे साल मिल सकता है और जमीनी जल का स्तर भी ऊपर उठेगा । खेतों में सिंचाई के लिए पानी की सुविधा हो सकती है । तालाब में भी पानी अधिक समय तक रुक जाएगा और गाँव में गर्मियों में पानी के संकट को दूर किया जा सकता है। गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है। बंद हैंडपंप को चालू करवाना और गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए । भूमिगत जल को बोरवेल की जगह कुओं से निकालना ताकि एकदम से भू-जल स्तर नीचे ना जाये ।
जमीन कृषि भूमि	गाँव में अधिकतर उबड़-खाबड़, पथरीली जमीन और छोटी पहाड़ियों वाली जमीन	गाँव की उबड़-खाबड़ जमीनों को अपना खेत अपना काम योजना के तहत

बिलानाम भूमि चरागाह	है गाँव में कृषि भूमि 450 हेक्ट है और 150 हेक्ट बिलानाम जमीन है । गाँव में चारागाह की जमीन 40 हेक्ट है जिस पर केवल बरसात में होने वाली घास होती है जिसे चारे के रूप में लोग काट कर लाते हैं। असिंचित भूमि पर बरसात में होने वाली फसल ही पैदा होती है।	समतलीकरण करके उसे उपजाऊ बनाया जा सकता है। तालाब, एनिकट और नदी से पाईप लाइन की व्यवस्था करके सिंचाई के पानी की कमी पूरी हो सकती है । गाँव की बेकार पड़ी जमीन को गाँवसभा के अधीन करके उस पर भी वृक्षारोपण किया जा सकता है । खाली जमीन पर फलदार वृक्षारोपण भी किया जा सकता है। जिससे लोगों की आय के साधन बढ़ सकते हैं।
सड़क कच्ची सड़क सी.सी. सड़क पक्की सड़क	गाँव में पक्की सड़क के किनारे पर लाइट की व्यवस्था नहीं है और कच्ची सड़के भी ख़राब है । कच्ची सड़क से लोगों को अपने घर जाने के लिए पगडण्डी है जिससे केवल पैदल ही जाया जा सकता है ।	गाँव की पक्की सड़क के किनारे लाइट की व्यवस्था की जाये । यदि गाँव के सभी कच्चे रास्ते सी.सी. सड़क में बदले जाये और सी.सी. सड़को को चोड़ा करके पुनः बनाया जाये तो गाँव के भीतरी इलाके में आवागमन में सुविधा होगी । साथ ही साथ लोगों के घरों तक पगडण्डी को चौड़ा करना, जिससे सबके घरों तक चार पहिया वाहन जा सके ।
स्कूल	गाँव में 2 प्राथमिक स्कूल है। प्राथमिक स्कूल की छत से प्लास्टर भी गिर रहा है और बारिश का पानी टपकता है, खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । स्कूलों में अध्यापको की कमी है । जिस कारण स्कूलों में बच्चो का नामांकन भी कम होता है । अध्यापको की कमी के कारण बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है ।	प्राथमिक स्कूल में छत के ऊपर चाइना मोजिक करवाकर और प्लास्टर करवा कर अच्छा बनाया जा सकता है। इसके अलावा स्कूल के शौचालय की भी मरम्मत करवाई जा सकती है। खेल के मैदान की बाउन्ड्री बना कर सुरक्षित किया जा सकता है । पीने के पानी के लिए छोटे आर.ओ. प्लांट को लगाया जा सकता है । अध्यापकों की नियुक्ति के लिए गाँवसभा में प्रस्ताव लिया गया है ।
आंगनवाड़ी केंद्र	गाँव में 1 आंगनवाड़ी केंद्र है लेकिन इसकी छत से बारिश के मौसम में पानी टपकता है और फर्श भी टूट गयी है ।	छत और फर्श की मरम्मत करवानी है ।
बस स्टैंड	गाँव के बस स्टैंड पर पीने के पानी के लिए हैण्डपंप और शौचालय नहीं है ।	हैण्डपंप लगवाना और शौचालय निर्माण करवाना है।

शमशान घाट	गाँव का शमशान घाट पूरी तरह से टूट चुका है, ना तो वहां पर टीनशेड है न ही चबूतरा है।	नए सिरे से निर्माण करवाना है और एक कमरा निर्माण कराना जिसमे लोग लकड़ी रख सके ।

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान एवं वरीयता

क्र. सं.	समस्याएं	सार्वजनिक/ व्यक्तिगत	कारण	समाधान	तात्कालिक/ दीर्घकालिक
1	**शिक्षा सम्बंधित समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में केवल 2 प्राथमिक स्कूल है, सभी विषयों के अध्यापक नहीं है सिर्फ 3 अध्यापक ही है वो भी समय पर नहीं आते है । स्कूलों में पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं है, छत से बारिश में पानी टपकता है और प्लास्टर भी गिर रहा है। स्कूल में खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । स्कूलों में कक्षा कक्ष भी पूरे नहीं है ।	नियुक्त अध्यापको को समय पर आने के लिए पाबंद किया जाना चाहिये । अध्यापको की नियुक्ति होनी चाहिये । स्कूलों की छत की मरम्मत होनी चाहिये और पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था के लिए आर. ओ. प्लांट लगना चाहिये, नये कक्षा कक्ष बनने चाहिये । खेल का मैदान और छात्र छात्राओं के लिए अलग अलग शौचालय बने और उनमे पानी की सुविधा होनी चाहिये ।	तात्कालिक
2	**पेयजल की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में 10 कुएं और 62 हैंडपंप है लेकिन आधे से ज्यादा सूखे है या पानी नहीं आता है, गर्मी में बोरेवेल में भी पानी कम हो जाता है । हैण्डपंप के पाइप और स्प्रिंग ख़राब हो गयी है । गाँव का जलस्तर 300 फिट से निचे चला गया है। जितने भी पेयजल के स्रोत है	जो हैंडपंप ख़राब/बंद हो गये है उनके पाइप बदलवाना । जिन हैंडपंप में पानी कम आने लगा है उन्हें गहरा करवाना और गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए । गाँव में एनिकट और चेकडैम निर्माण करना और गाँव में बरसात के	**दीर्घकालिक**

			उनके पानी में फ्लोराइड की मात्रा बहुत जयादा है जिस कारण लोगो को दातो और हड्डियों से सम्बंधित बीमारियाँ हो रही है ।	पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है। इसके लिए गाँवसभा द्वारा बैठक में प्रस्ताव भी लिया गया है ।	
3	**कृषि संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत /** सार्वजनिक	गाँव की कृषि योग्य उपलब्ध भूमि उबड़ खाबड़ पथरीली और पहाडियों की ढलान वाली है। सिंचाई की सुविधा भी नहीं है। सिंचाई के लिए नदी, तालाब, एनिकट, कुओं का पानी शुरूआती गर्मी के मौसम में ही सूख जाता है । बरसात का पानी गाँव में रोकने के लिए 4 एनिकट और 1 तालाब है लेकिन बोरवेल की संख्या अधिक होने के कारण पानी जल्दी ख़त्म हो जाता है ।	खेतों को गाँव सभा द्वारा प्रस्ताव लेकर अपना खेत-अपना काम योजना के अंतर्गत समतलीकरण, बारिश के पानी को रोकने के लिए खेतों की मेड़ बंदी तथा कच्चे चेकडैम का निर्माण। गाँव के नाले में पानी रोकने की योजना। घर और खेतों में पानी को रोकने के लिए टाके (पक्के खड्डे) बनवाना ।	**तात्कालिक**
4	**रास्ते की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में पक्की और सी.सी. सड़को की कमी है । ज्यादातर पगडण्ड़िया ही है । रास्तो के अभाव में सबसे ज्यादा तकलीफ बुजुर्गो, महिलाओं और बच्चो को होती है । बीमार व्यक्ति को लाने ले-जाने में भी समस्या होती है ।	गाँवसभा कमेटियों के गठन के बाद जहां जहां रास्ते नहीं है वहां सड़क निर्माण के प्रस्ताव लिए गए हैं, कच्ची सड़क को सी.सी. सड़क में बदलना । सड़क किनारे नालियों की व्यवस्था और रोड लाइट की व्यवस्था करना । पगडण्ड़ियों को चौड़ा करना ।	**तात्कालिक**
5	**सरकारी**	**व्यक्तिगत**	गाँव में आवास योजना में	गाँव के सबसे जरूरतमंद	**तात्कालिक**

	योजनाओं की सहीं क्रियान्विति ना होना - आवास निर्माण, पेंशन और उसके भुगतान संबधी समस्या		सबसे बड़ी समस्या यह है कि जिन लोगों के आवास बन भी गए हैं उनमें से ज्यादातर लोगों का पूरा भुगतान नहीं हुआ है। गाँव में जिन लोगों को आवास की बेहद जरूरत है उनके आवास गरीबी के कारण नहीं बने हैं साथ ही यह कारण दिया जाता है की जन गणना के दौरान उनका नाम उस लिस्ट में बी.पी.एल. की सूचि में नहीं है । जो सक्षम लोग हैं उनके आवास बन गए हैं । पेंशन में समस्या यह है कि गाँव में सरकारी कागजातों में उम्र अलग-अलग होने से भी लोगों की पेंशन भी बंद है।	लोगों को आवास निर्माण हेतु आवेदन कराना और उसके लिए प्रयास करना। बकाया राशि का भुगतान तुरंत करना। जिन लोगों को पेंशन नहीं मिल रही है उनको पेंशन योजना से जोड़ना । बंद पेंशन का भुगतान तुरंत शुरू करवाना ।	
6	**काबिज भूमि पर खातेदारी का हक नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	लोग कई पीढ़ियों से गाँव में बसे हैं लेकिन जितनी भूमि पर वह काबिज है उसकी खातेरदारी का हक उनको नहीं मिला है। सरकार की अघोषित नीतियों के कारण राजस्व विभाग ने खातेदारी हक देना बंद कर दिया है। जिसके कारण भविष्य में उनकी जमीन आसानी से छीन जाने का संकट खड़ा हो गया है।	काबिज भूमि पर सामूहिक दावा करना। पट्टे की जमीन जिसकी पैनल्टी राजस्व विभाग ने लेना बंद कर दिया है उसे कोर्ट में जमा करना क्योंकि पेनल्टी नहीं देने से पट्टा खारिज हो जाएगा और धारा 91 के अनुसार काबिज जमीन का नियमन कराना। गाँव सभा द्वारा सबकी फाइल तैयार करके एक	**दीर्घकालिक**

				साथ राजस्व विभाग में दावे का मुकदमा करना।	
7	**जंगल पर सामुदायिक वन दावा नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	वर्तमान में गाँव के जंगल की जमीन सिर्फ 30 बीघा है । उसमे सागवान और बबूल और कटीली झाड़ियाँ है । जंगल पर वन दावा बहुत समय पहले से कर रखा है लेकिन अभी तक अधिकार नहीं मिला है ।	जमा करायी गयी फाइल की वर्तमान स्थिति का पता करना और उसकी पैरवी करना ।	
8	**खाद्य सुरक्षा का पूरा लाभ नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	राशन की दुकान गाँव में ही है लेकिन वहां और भी दूसरे गाँव से लोग आते है और अक्सर पॉस मशीन में फिंगरप्रिंट न मिलना या इन्टरनेट से कनेक्ट न होने की समस्या आती रहती है । अनाज में केवल गेहूँ दिया जाता है, शक्कर और केरोसिन त्यौहार पर मिलता है ।	राशन डीलर को पाबंद कर समय पर दुकान खोलने और पूरा राशन दिलवान और जिन लोगों को राशन नहीं मिल रहा है उनके नाम योजना में जुड़वाने के लिए गाँव सभा में प्रस्ताव लेना ।	**तात्कालिक**

संसाधन आंकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths शक्तियां	W- Weakness कमजोरी	O- Opportunities अवसर	T- Threats चुनौतियां
आवागमन - कच्चे रास्ते सी.सी. सड़क पक्की सड़कें	पक्की सड़क केवल गाँव में जाने के लिए, कच्चे रास्ते को आर.सी.सी. नहीं करना। पगडंडी को चौड़ा नहीं करना। रोड लाइट की मांग नही ।	रास्ते ठीक होने से गाँव में साधन आ जा सकते हैं जिससे छोटे मोटे व्यवसाय किए जा सकते हैं। लोगों को आने जाने में समय की बचत होगी। रोड लाइट लगने से दुर्घटनाओ की संभावना कम हो जायेगी ।	गाँव सभा कमेटी का मजबूती से काम नहीं करना, पंचायत की उदासीनता और समस्या को लेकर अधिक से अधिक लोगो का गाँव सभा में नहीं आना ।
जल	गाँव में दो नदी है जिस पर	पहाड़ो के तेज़ बहाव वाली	पंचायत द्वारा इस

नदी तालाब एनिकट नहर कुआं बोरवेल हैंड पंप	4 एनिकट भी बने है लेकिन तीन एनिकट खस्ता हाल है और गर्मी में पानी सूख जाने से संकट हो जाता है । कुओं को रिचार्ज करने की व्यवस्था नहीं करना। गाँव में जल की कमी ना हो इसके लिए गाँव के लोगों की जागरूकता में कमी। जल संरक्षण के बारे में गाँव वालों में जागरूकता न होना ।	ढलानों पर पक्के चेकडेम निर्माण, जल संरक्षण के लिए घरो के बाहर पक्की टंकी का निर्माण करवाना । बरसात के पानी को योजनाबद्ध तरीके से अगर रोका जाए तो गाँव में पानी के संकट को दूर किया जा सकता है जिससे सिचाई और अशुद्ध पीने के पानी के संकट को दूर किया जा सकता है और भू जल स्तर को भी ऊँचा किया जाता हैं। बोरवेल का उपयोग कम करके कुओ से पानी निकालना । ताकि जल स्तर एकदम से नीचे न जाये । गाँव सभा में इसके लिए प्रस्ताव लेना ।	चुनौती से निपटने को कोई कार्ययोजना नहीं होना। गाँव के लोगों की उदासीनता। सरकारी योजना और मौसम पर अधिक निर्भर रहना ।
आजीविका के साधन	गाँव में रोजगार के साधन का अभाव। कृषि भूमि और कृषि उत्पादन की कमी। अच्छी नस्ल के पशुओं का अभाव। मनरेगा में पूरा भुगतान नहीं होना ना ही काम की नपती की जाती है ।	गाँव में खाली पड़ी जमीन और पहाड़ियों पर वृक्षारोपण, चारागाह का अच्छा प्रबंधन, अच्छी नस्ल के पशुओं का पालन, सब्जी के खेती से आय के स्रोत बढ़ाये जा सकते हैं। घरेलु उद्योग भी किये जा सकते है।	गाँव के लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन का अभाव। उन्नतशील बीज का अभाव। जमीन और पहाड़ों के बेहतर प्रबंधन की कमी।
भूमि	गाँव की खाली पड़ी जमीन का प्रयोग नहीं होना। सभी लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन नहीं होना। जमीन के पट्टे ना होना ।	खेती की जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाना। गाँव की सार्वजनिक खाली पड़ी जमीन पर फलदार वृक्षारोपण करवाना।	सभी लोगों के पास पर्याप्त जमीन का अभाव। सिंचाई का अभाव खाली पड़ी जमीन के बेहतर उपयोग की योजना का अभाव।

- **नजरिया नक्शा**

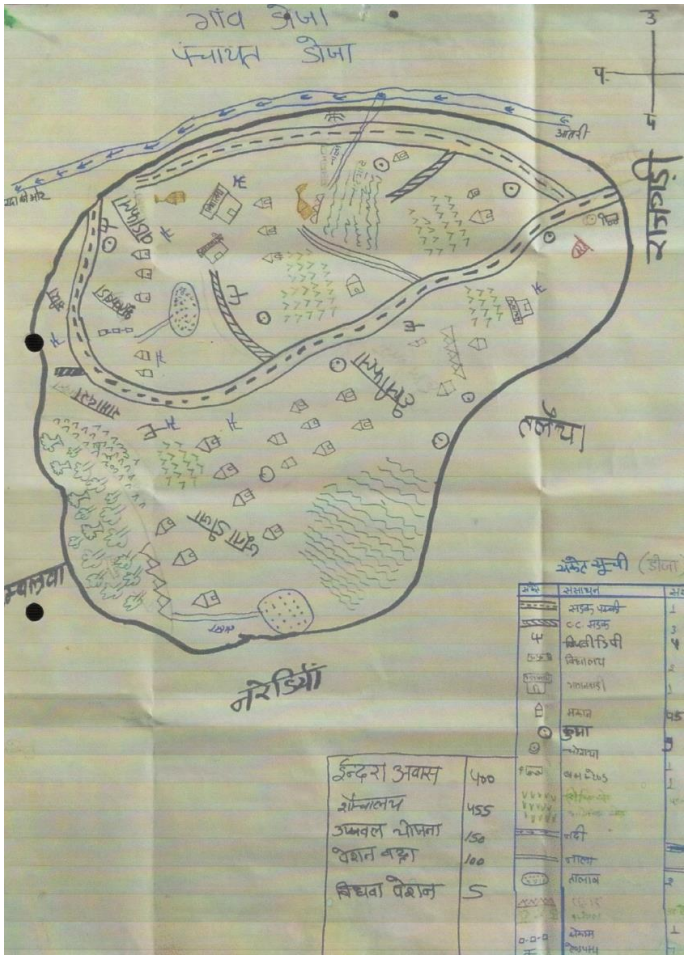

गाँवसभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्यो का विवरण -

प्रस्तावित कार्य	संख्या
चेकडैम निर्माण के संबंध में	**8**
तालाब निर्माण / गहरीकरण के सम्बन्ध में	**3**
सी.सी. रास्ता निर्माण के संबंध में मय पुलिया	**3**
केटेगरी 4 के कार्य	
खेत समतलीकरण	**9**
खेत तलावडी	**4**
कुआं गहरीकरण मरम्मत	**4**
पशुवाडा निर्माण	**50**
नया हैण्डपंप लगवाने के संबंध में	**7**
एनिकट निर्माण के संबंध में	**7**
पी.एम., सी.एम. आवास योजना	**3**

➢ **गाँव विकास प्रस्ताव**

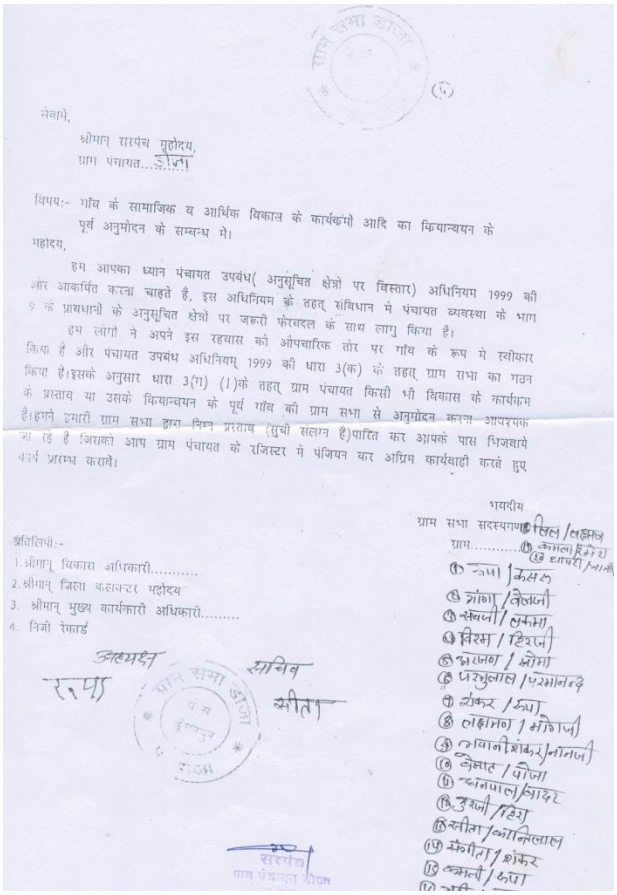

सेवामें,

श्रीमान सरपंच महोदय,
ग्राम पंचायत...डोजा

विषय:- गाँव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के सम्बन्ध में।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध(अनुसूचित क्षेत्रो पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आकर्षित करना चाहते है, इस अधिनियम के तहत् संविधान मे पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानों के अनुसूचित क्षेत्रो पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है।

हम लोगो ने अपने इस रहवास को औपचारिक तोर पर गाँव के रूप मे स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम् 1999 की धारा 3(क) के तहत् ग्राम सभा का गठन किया है।इसके अनुसार धारा 3(ग) (1)के तहत् ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके कियान्वयन के पूर्व गाँव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है।हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न है)पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे है जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर मे पंजियन कर अग्रिम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावें।

भवदीय
ग्राम सभा सदस्यगण
ग्राम..........

प्रतिलिपी:-
1. श्रीमान् विकास अधिकारी..........
2. श्रीमान् जिला कलक्टर महोदय
3. श्रीमान् मुख्य कार्यकारी अधिकारी........
4. निजी रेकार्ड

अध्यक्ष सचिव
सीता

सरपंच
ग्राम पंचायत डोजा

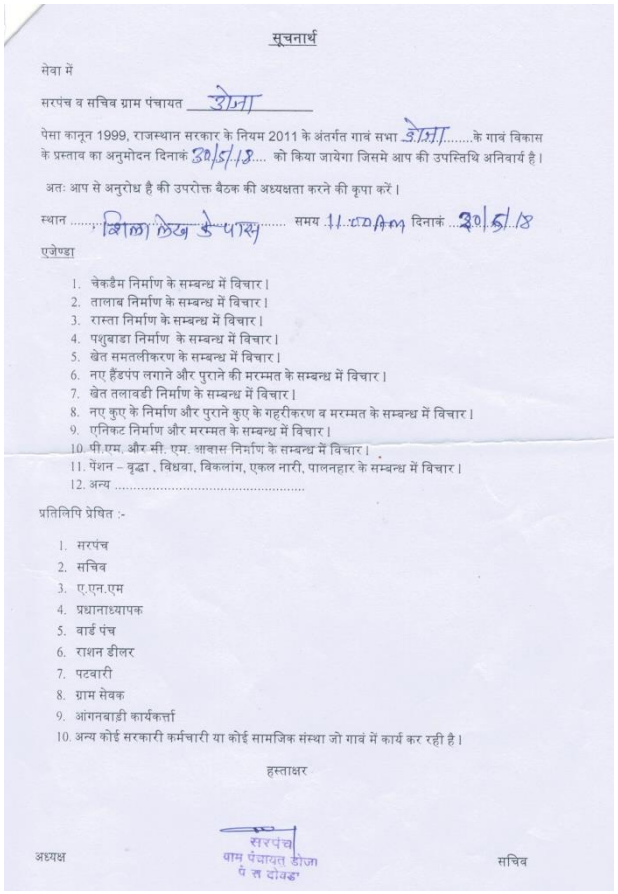

सूचनार्थ

सेवा में

सरपंच व सचिव ग्राम पंचायत डोजा

पेसा कानून 1999, राजस्थान सरकार के नियम 2011 के अंतर्गत गावं सभा डोजा........के गावं विकास के प्रस्ताव का अनुमोदन दिनांक 30/5/18.... को किया जायेगा जिसमे आप की उपस्तिथि अनिवार्य है।

अतः आप से अनुरोध है की उपरोक्त बैठक की अध्यक्षता करने की कृपा करें।

स्थान ....शिला लेख के पास........ समय 11:00 Am दिनांक 30/5/18

एजेण्डा

1. चेकडैम निर्माण के सम्बन्ध में विचार।
2. तालाब निर्माण के सम्बन्ध में विचार।
3. रास्ता निर्माण के सम्बन्ध में विचार।
4. पशुबाडा निर्माण के सम्बन्ध में विचार।
5. खेत समतलीकरण के सम्बन्ध में विचार।
6. नए हैंडपंप लगाने और पुराने की मरम्मत के सम्बन्ध में विचार।
7. खेत तलावडी निर्माण के सम्बन्ध में विचार।
8. नए कुए के निर्माण और पुराने कुए के गहरीकरण व मरम्मत के सम्बन्ध में विचार।
9. एनिकट निर्माण और मरम्मत के सम्बन्ध में विचार।
10. पी.एम. और सी. एम. आवास निर्माण के सम्बन्ध में विचार।
11. पेंशन – वृद्धा , विधवा, विकलांग, एकल नारी, पालनहार के सम्बन्ध में विचार।
12. अन्य ....

प्रतिलिपि प्रेषित :-

1. सरपंच
2. सचिव
3. ए.एन.एम
4. प्रधानाध्यापक
5. वार्ड पंच
6. राशन डीलर
7. पटवारी
8. ग्राम सेवक
9. आंगनबाडी कार्यकर्त्ता
10. अन्य कोई सरकारी कर्मचारी या कोई सामजिक संस्था जो गावं में कार्य कर रही है।

हस्ताक्षर

अध्यक्ष सरपंच ग्राम पंचायत डोजा सचिव

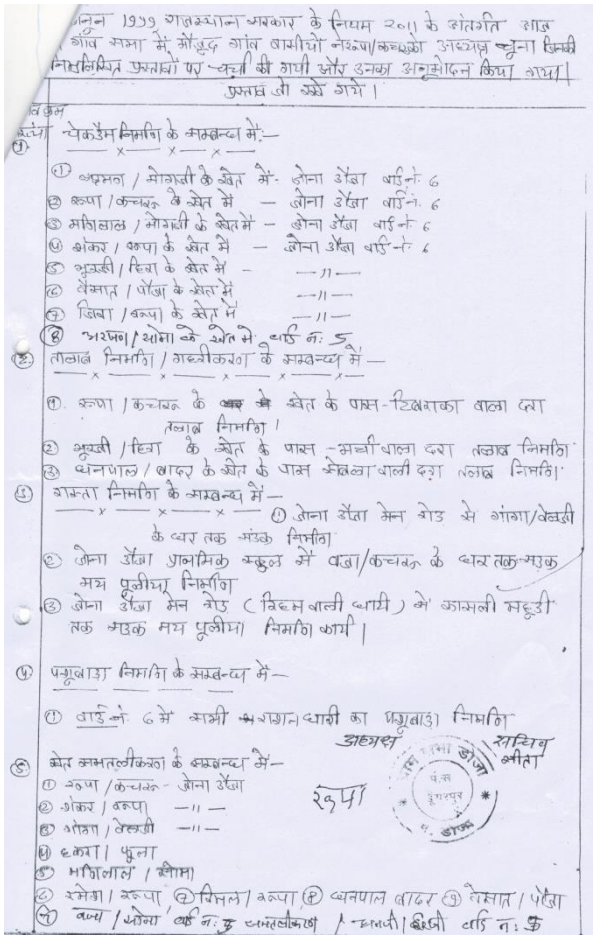

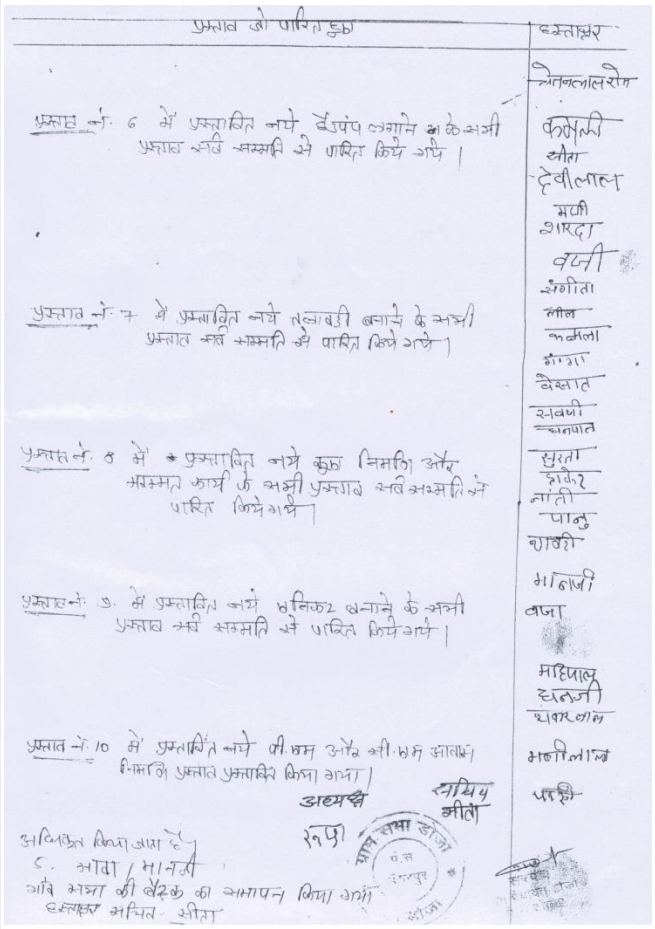

...निन 1999 राजस्थान सरकार के नियम 2011 के अंतर्गत आज गाँव सभा में मौजूद गांव वासीयों ने रूपा/कचरू को अध्यक्ष चुना जिनकी निम्नलिखित प्रस्तावों पर चर्चा की गयी और उनका अनुमोदन किया गया।

क्रम संख्या	प्रस्ताव जो रखे गये।
(1)	चेकडैम निर्माण के सम्बन्ध में:—
	(1) लक्ष्मण / मोगजी के खेत में - जोना ऊँडा वार्ड नं. 6
	(2) रूपा / कचरू के खेत में — जोना ऊँडा वार्ड नं. 6
	(3) मणिलाल / मोगजी के खेत में — जोना ऊँडा वार्ड नं. 6
	(4) शंकर / रूपा के खेत में — जोना ऊँडा वार्ड नं. 6
	(5) भूरजी / हिरा के खेत में — —//—
	(6) वेस्नात / पौंजा के खेत में —//—
	(7) डिबा / रूपा के खेत में —//—
	(8) अरजन / सोमा के खेत में वार्ड नं: 5
(2)	तालाब निर्माण / गहरीकरण के सम्बन्ध में —
	(1). रूपा / कचरू के खेत के पास - टिबराका वाला दरा तलाब निर्माण।
	(2) भूरजी / हिरा के खेत के पास - भर्चीवाला दरा तलाब निर्माण
	(3) धनपाल / बादर के खेत के पास खेलवाली दरा तलाब निर्माण।
(3)	रास्ता निर्माण के सम्बन्ध में —
	(1) जोना ऊँडा मेन रोड से गांगा/वेलजी के घर तक सडक निर्माण
	(2) जोना ऊँडा प्राथमिक स्कूल में वजा/कचरू के घर तक सडक मय पुलीया निर्माण
	(3) जोना ऊँडा मेन रोड (रिहम वाली घाटी) में कामली मडुडी तक सडक मय पुलीया निर्माण कार्य।
(4)	पशुबाड़ा निर्माण के सम्बन्ध में —
	(1) वार्ड नं. 6 में सभी राशन धारी का पशुबाड़ा निर्माण
(5)	खेत समतलीकरण के सम्बन्ध में —
	(1) रूपा / कचरू - जोना ऊँडा
	(2) शंकर / रूपा —//—
	(3) गोता / वेलजी —//—
	(4) हकरा / फुला
	(5) मणिलाल / सोमा
	(6) रमेश / रूपा (7) विमल / रूपा (8) धनपाल बादर (9) वेस्नात / पौंजा
	(10) वजा / सोमा वार्ड नं: 5 समतलीकरण / धनजी / हिरजी वार्ड नं: 5

अध्यक्ष रूपा

सचिव सीता

प्रस्ताव जो पारित हुआ	हस्ताक्षर
	चेतनलाल रोत
प्रस्ताव नं. 6 में प्रस्तावित नये हैंडपंप लगाने के सभी प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किये गये।	कमली, सीता, देवीलाल, मणी, शारदा, वजी, संगीता
प्रस्ताव नं. 7 में प्रस्तावित नये तलाबड़ी बनाने के सभी प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किये गये।	लील, कमला, गंगा, वेस्नात, सवधी, धनपाल
प्रस्ताव नं. 8 में प्रस्तावित नये कुआ निर्माण और मरम्मत कार्य के सभी प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किये गये।	सुरता, शंकर, नांती, पानु, चावरी
प्रस्ताव नं. 9 में प्रस्तावित नये वर्मिकम्पोस्ट बनाने के सभी प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किये गये।	मानजी, वजा
	महिपाल, धनजी, शंकरलाल
प्रस्ताव नं. 10 में प्रस्तावित नये पी.एम और बी.पी.एल आवास निर्माण प्रस्ताव प्रस्तावित किया गया।	मणीलाल
अध्यक्ष रूपा सचिव सीता	पवडी

अधिकृत किया जाता है
5. भावा / मानजी
गाँव सभा की बैठक का समापन किया गया
हस्ताक्षर सचिव - सीता

विलेज प्लैनिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

1. सीता देवी रोत 08769869738
2. केशर देवी रोत
3. रूपा जी (पूर्व गाँव सभा अध्यक्ष)
4. संगीता रोत